1-5-1990 and 1-8-1991 as Consultants in the Ministry of Information and Broadcasting after their superannuation. The Ministry's protocol, work relating to cultural exchange programmes, media coordination for sensitive States, to handle the matters relating to Prasar Bharati etc. necessitated the said appointments.

(c) and (d) In view of the reply of (a) & (b) above, there is no question of closing the doors for promotion for other persons and for the officials who are retiring in the next six months to one year. Before considering appointment of Consultants, these aspects are adequately taken care of.

3227. [*Transferred to the 25th December*, 1991.]

किसी धारावाहिक में कड़ियों की संख्या का बढ़ाया जाना

3228. **श्री अजीत जोगी:** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री 5 दिसम्बर, 1991 को राज्यसभा में अतारांकित प्रश्न 1412 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान किन-किन धारावाहिकों की कितनी-कितनी कड़ियां बढ़ाये जाने की अनुमति दी गई ; और

(ख) इस तरह की अनुमति दिये जाने के क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) उक्त अवधि के दौरान निम्नलिखित धारावाहिको की कड़ियां बढ़ाई गई । उन्हें पुनः प्रसारित किया गया (अतिरिक्त कड़ियां कोष्ठक में दर्शायी गयी हैं) :—

रामायण (26+39 उत्तर रामायण के लिए), महाभारत (39), कर्मभूमि (4), कहां गये वे लोग (13), जिंदगी (13), मनोरंजन (7), और भी हैं राहें (6), बहादुर शाह जफर (1), चुनौती (9), कथा सागर (13), मालगुड़ी डेज (13), बिंदास टाइम (21), हिमालय दर्शन (13), अदालत (13), सुनील गावस्कर प्रेजेन्ट्स (13), उड़ान (19), कशमकश (13), एक कहानी (13), मैला आंचल (2); गुल गुलशन गुलफाम (19), टीपू सुल्तान की तलवार (20) और बागल की दुनियां (13) ।

(ख) इन धारावाहिकों की कड़ियां बढ़ाने/उनका पुनः प्रसारण करने की मंजूरी उनकी निहित उत्कृष्टता, लोकप्रियता तथा कथा के प्रतिपादन को ध्यान में रखते हुए दी गई थी ।

Teletext service to the viewers of Bombay

3229. SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government are aware that English News on Doordarshan in the night is frequently delayed;

(b) if so, what steps are being taken by Doordarshan to telecast the News on time;

(c) whether there is any proposal to provide tele-information (Teletext) to viewers in Bombay on the second channel, on the pattern as provided to viewers in Delhi;

(d) if so, the details thereof; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) Yes, Sir, on some occasion.

(b) Constant efforts are being made by Doordarshan to adhere to the scheduled time of their telecast.

(c) to (e) At present there is no proposal to extend the Teletext Service to Bombay Kendra on account of resource constraints.

दूरदर्शन पर प्रश्नकाल दिखाए जाने पर होने वाला खर्च

3230. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दूरदर्शन द्वारा संसद् के प्रश्नकाल को टेलीविजन पर दिखाये जाने पर कितना खर्च हो रहा है ;

(ख) क्या संसद् की अन्य कार्यवाहियों को दूरदर्शन पर दिखाये जाने की कोई योजना है ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) चूंकि, दूरदर्शन द्वारा संसद् के प्रश्नकाल का टेलीकास्ट प्रायोगिक आधार पर मौजूदा हार्डवेयर साधनों का पूल बनाकर शुरू किया गया है, इसलिए इस पर होने वाले व्यय का अनुमान नहीं लगाया गया।

(ख) और (ग) संसद् की अन्य कार्यवाहियों को टेलीकास्ट करने का निर्णय, दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों से परामर्श करने के बाद ही लिया जाएगा।

दूरदर्शन से उर्दू और संस्कृत में समाचारों का प्रसारण

3231. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दूरदर्शन के राष्ट्रीय कार्यक्रम में उर्दू/संस्कृत में समाचारों का प्रसारण किया जाता है; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ख) क्या सरकार दूरदर्शन पर उपर्युक्त दोनों भाषाओं में समाचार प्रसारित करने का विचार रखती है और यदि हां, तो ऐसा कब तक किए जाने की संभावना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) जी, नहीं। जनसांख्यिकी प्रणाली प्रसारण समय, साधनों तथा जनशक्ति की कमी जैसी कठिनाइयों के कारण राष्ट्रीय नेटवर्क पर उर्दू तथा संस्कृत में समाचार बुलेटिन टेलीकास्ट करना संभव नहीं हो पाया है।

(ख) जी, नहीं। फ़िलहाल, इस प्रकार का कोई प्रस्ताव नहीं है।

Financing of T.V. Serials

3232. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the number of T.V. serial financed during the last two years for telecast on prime time; and

(b) the norms adopted for passing these serials?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) 15 serials financed by Doordarshan were telecast on prime time during this period.

(b) Such serials are approved based on *inter alia* the following broad criteria;

(i) Storyline and its contemporary relevance;

(ii) Treatment of the theme;

(iii) Overall competence of the technical crew and reflection thereof in the production; and

(iv) Relevance to Doordarshan's programme requirements.

"हे निर्वीक" नामक पुस्तक के प्रकाशन पर आपत्ति

3233. **श्रीमती वीणा वर्मा :**
श्री कपिल वर्मा :
श्रीमती बसन्ती शर्मा :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रकाशन विभाग ने श्री सोमनाथ घोष द्वारा लिखित "हे निर्वीक" नामक पुस्तक प्रकाशित की है; यदि हां, तो इस पुस्तक को कब प्रकाशित किया गया था; और

(ख) क्या यह सच है कि इस पुस्तक के बारे में भूतपूर्व मंत्री को कुछ आपत्तियां प्राप्त हुई थी और यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?